प्रेस विज्ञप्ति

दिल्ली पब्लिक स्कूल, सेक्टर 45 गुड़गाँव को 25 फरवरी 2023 को न्यू इंडिया एजुकेशन बैठक (एन आई ई एस संस्करण 2.0, दिल्ली एनसीआर चैप्टर) की मेजबानी करने के लिए सम्मानित किया गया। शिखर सम्मेलन का आयोजन शिक्षा क्षेत्र के लिए एक मीडिया मंच 'स्कून्यूज' द्वारा किया गया था।

सीबीएसई के सचिव श्री अनुराग त्रिपाठी ने इस प्रतिष्ठित सभा का गठन किया; डॉ अमीता मुल्ला वट्टल, चेयरपर्सन, डीएलएफ फाउंडेशन स्कूल और देश भर के प्रतिष्ठित शिक्षक और प्रिंसिपल। एनआईईएस 2.0 'एनसीएफ के साथ भारत की आकांक्षाओं को सक्षम करना' विषय के आसपास केंद्रित है और यह चर्चा, विचार-विमर्श और कार्रवाई पर केंद्रित है।डी.पी.एस गुड़गाँव की निदेशक प्रिंसिपल श्रीमती अदिति मिश्रा और स्कून्यूज के सी.ई.ओ रवि संतलानी ने मेहमानों का स्वागत किया और कहा कि इस तरह के प्रमुख और अनुभवी शिक्षकों की सह-मेजबानी करना स्कूल और स्कून्यूज के लिए सौभाग्य की बात है। श्रीमती मिश्रा ने श्री त्रिपाठी को सीबीएसई के लिए उनके निरंतर समर्थन और आसान पहुँच के लिए धन्यवाद दिया। त्रिपाठी ने अपने संबोधन में एन.ई.पी को पढ़ने, समझने और शोध करने के बाद बच्चों और अभिभावकों तक ले जाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे अपने संबंधित स्कूलों की ज़रूरतों के अनुसार दस्तावेज को अनुकूलित करें। डॉ. वट्टल ने एनईपी के बारे में भी विस्तार से बात की। उनका मानना है कि एनईपी ज्ञान का विकास है जो सोच और करने के बीच की खाई को भरेगा। डॉ. अरुणाभ सिंह, मुख्य संरक्षक, अंतिम अध्याय एनआईईएस और निदेशक, नेहरू वर्ल्ड स्कूल, गाजियाबाद ने संदर्भ सेटिंग की शुरुआत की। उन्होंने अपने विचार साझा करने के लिए मेयो कॉलेज, अजमेर के निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल सुरेंद्र कुलकर्णी को आमंत्रित किया। बर्लिंगटन ग्रुप ऑफ कंपनीज़ के सीईओ भारत और दक्षिण एशिया रत्नेश कुमार झा ने एनसीएफ फाउंडेशनल स्टेज के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि 85% प्रभाव नींव के स्तर पर किया जाता है और इसलिए एनसीएफ 2022 के प्रत्येक शब्द को व्यावहारिक और प्रभावी होने की आवश्यकता है। टीच मिंट के सह-संस्थापक और सीईओ मिहिर गुप्ता ने शिक्षा में प्रौद्योगिकी की भूमिका के बारे में बताया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ नेताओं और शिक्षकों, श्री संदीप सेठी, निदेशक (शिक्षा), एमएसएमईएसआई संग्रहालय ट्रस्ट, जयपुर; सनबीम ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस (एसजीईआई), वाराणसी के सह-संस्थापक डॉ भारती मधोक और श्री दीपक मधोक; सुश्री अमृता बर्मन, उप निदेशक, एसजीईआई, वाराणसी; श्री माधव देव सारस्वत, प्रधानाचार्य, हैदराबाद पब्लिक स्कूल, बेगमपेट ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

इसके बाद प्रतिभागी राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचे पर चर्चा करने के लिए अपने संबंधित सलाहकारों के साथ ब्रेकआउट रूम में इकट्ठा हुए। सलाहकारों में एनसीएफ-ईसीसीई के लिए इनोवेटर, रणनीतिकार और शिक्षाविद श्री आनंद कृष्णस्वामी, एनसीएफ-एसई के लिए डॉ अरुणाभ सिंह और एनसीएफ-टीई के लिए महात्मा गांधी इंटरनेशनल स्कूल, अहमदाबाद की सह-संस्थापक सुश्री अंजू चाज़ोट और श्री पास्कल चाज़ोट शामिल थे। प्रत्येक समूह के निष्कर्षों को दर्शकों के साथ साझा किया गया था। श्रीमती अदिति मिश्रा ने स्कून्यूज और दिल्ली पब्लिक स्कूल, गुड़गाँव की ओर से सभी को धन्यवाद दिया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी प्रासंगिक चर्चाओं के बाद सकारात्मक परिणाम होंगे।